पंजीकरण सं. आर.एन. 40596/83 डाक पंजी. संख्या-डी.एल. (एन.)/084/2012-14 प्रकाशित: 16.11.2013 इस अंक का मूल्य 2 रुपये

।। ओ३म् ।।

युवा उद्घोष

केन्द्रीय आर्य युवक परिषद् (पंजीकृत) का पाक्षिक शंखनाद

Join—http://www.facebook.com/groups/aryayouth/

कार्यालय : आर्य समाज कबीर बस्ती, दिल्ली-110007, चलभाष : 9810117464, 9868051444

आर्य महासम्मेलन तैयारी हेतु बैठकें

रविवार, 24 नवम्बर 2013

1. पश्चिमी दिल्ली- प्रातः 11 बजे, आर्य समाज, पश्चिम विहार.
2. दक्षिण दिल्ली-सायं 4 बजे, आर्य समाज, लाजपत नगर-2

कृपया अपने निकट की बैठक में अवश्य पधारें

-डा.अनिल आर्य

वर्ष-30 अंक-12 कार्तिक-2070 दयानन्दाब्द 190 16 नवम्बर से 30 नवम्बर 2013 (द्वितीय अंक) कुल पृष्ठ 4 वार्षिक शुल्क 48 रु.
प्रकाशित: 16.11.2013, E-mail : aryayouth@gmail.com aryayouthgroup@yahoogroups.com Website : www.aryayuvakparishad.com

केन्द्रीय आर्य युवक परिषद् के तत्वावधान में 130वां महर्षि दयानन्द बलिदान दिवस सम्पन्न

पाखण्ड ओर अन्धविश्वास के विरूद्ध दयानन्द ने नयी क्रान्ति का शंखनाद किया- **आर्य नेता आनन्द चौहान**

दिल्ली हाट पीतमपुरा के मंच पर श्रीमती मृदुला व श्री आनन्द चौहान (निदेशक, ऐमिटी विश्वविद्यालय, नोएडा) का स्वागत करते डा.अनिल आर्य, महेन्द्र भाई, प्रवीन आर्या व अल्का अग्रवाल। द्वितीय चित्र में श्रीमती शोभा व श्री प्रदीप तायल (पाईटैक्स ज्वैलर्स) का स्वागत करते डा.अनिल आर्य, प्रवीन आर्या।

नई दिल्ली। सोमवार, 4 नवम्बर 2013, केन्द्रीय आर्य युवक परिषद् नई दिल्ली के तत्वावधान में भारत विकास परिषद् पीतमपुरा के सहयोग से ''एक शाम दयानन्द के नाम'' भव्य संगीत संध्या का आयोजन दिल्ली हाट पीतमपुरा के मंच पर किया गया। श्री नरेन्द्र आर्य 'सुमन' व सुदेश आर्या की प्रस्तुति व स्नेही ऋषि भक्तों की तालियों ने समां बांध दिया। आर्य जगत की जब 16 महिलाओं को सम्मानित किया गया तो सब ओर हर्ष की लहर दौड़ गयी। मोमबती व दिये जब आलोकित हुये तो लगा मानो आसमां स्वयं तारों संग नीचे आ गया हो। एक उत्साह पूर्ण वातावरण ने सभी को प्रफ्फुलित कर दिया था।

आर्य नेता श्री आनन्द चौहान ने कहा कि यदि मैं आज यहां न आता तो कुछ ''मिस'' करता मुझे यहां आकर बहुत अच्छा लगा। उन्होंने कहा कि महर्षि दयानन्द ने पाखण्ड-अन्धविश्वास के विरूद्ध एक नयी क्रान्ति का सूत्रपात किया था, आज उस कार्य को पूरा करने का हमें संकल्प लेना है। समारोह की अध्यक्षता श्री प्रदीप तायल ने की। प्रमुख रूप से विधायक श्री रविन्द्र बंसल, पार्षद रेखा गुप्ता, चन्दीराम चावला, ममता नागपाल, सुरेश अग्रवाल, राजकुमार जैन, अमित नागपाल, मृदुला चौहान, दर्शन अग्निहोत्री, जितेन्द्र डावर, चतरसिंह नागर, राजीव आर्य, उर्मिला आर्या, रचना आहूजा, विनेश आहूजा, यशोवीर आर्य, रामकुमार सिंह, कृष्णचन्द पाहुजा, रणसिंह राणा, व्रतपाल भगत, सुरेन्द्र कोहली, पप्पु गहलोत, प्रकाशवीर बत्रा, मनोहरलाल चावला, वीरेन्द्र योगाचार्य, सुभाष दुआ, धर्मपाल आर्य, अर्चना पुष्करना, डा.वीरपाल विद्यालंकार, रवि चड्डा, ओम सपरा, प्रवीन आर्य, दुर्गेश आर्य, सुशीला सेठी, अमरनाथ बत्रा, सत्यप्रकाश आर्य, सुरेन्द्र चौधरी, पं.धूमसिंह शास्त्री, आर.के.दुआ, जवाहर भाटिया, विजयारानी शर्मा, देवेन्द्र भगत आदि उपस्थित थे। शुभारम्भ आचार्य गवेन्द्र शास्त्री ने यज्ञ करवा कर किया, श्री तिलक चांदना, श्री यज्ञवीर चौहान, श्री धर्मसिंह शास्त्री आदि मुख्य यज्ञमान बने। गुरूकुल खेड़ाखुर्द के बच्चों ने भजन प्रस्तुत किये। परिषद् अध्यक्ष डा.अनिल आर्य ने कुशल संचालन किया व महामन्त्री महेन्द्र भाई ने आभार व्यक्त किया। ऋषि लंगर का प्रसाद ग्रहण कर सभी विदा हुए।

आर्य समाज मस्जिद मोठ का 106 वां वार्षिकोत्सव सौल्लास सम्पन्न

रविवार, 10 नवम्बर 2013, दक्षिण दिल्ली की प्रमुख आर्य समाज, मस्जिद मोठ का 106 वां वार्षिकोत्सव सौल्लास सम्पन्न हुआ। आर्य नेता डा. अनिल आर्य ने वर्ग भेद, जाति भेद से उपर उठ पूरे हिन्दू समाज को संगठित होने का आह्वान किया। डा.अनिल आर्य का भव्य अभिनन्दन भी किया गया। इस अवसर पर महाशय धर्मपाल जी, श्री विनय आर्य, डा.धर्मेन्द्र शास्त्री, डा.सुधीर कुमार, श्री विजय गुप्त, श्रीमती सुदेश आर्या, पार्षद अंकिता सैनी आदि के उद्‌बोधन हुए। समारोह की अध्यक्षता श्री इन्द्रसेन साहनी ने की। श्री चतरसिंह नागर ने संचालन किया। श्री गोबिन्द लाल नागपाल व श्री सत्यपाल आर्य ने आभार व्यक्त किया।

गौ हत्या के विरुद्ध 7 नवम्बर 1966 को संसद भवन पर ऐतिहासिक प्रदर्शन

-डॉ. विवेक आर्य

आज 7 नवंबर के दिन सन 1966 में गौ हत्या पर प्रतिबन्ध लगवाने के लिए हजारों हिंदुओं ने संसद भवन के आगे प्रदर्शन किया था। तत्कालीन कांग्रेस सरकार ने इंदिरा गांधी के नेतृत्व में निहत्थे हिंदुओं पर गोलियाँ चलवा दी थी जिसमें अनेक गौ भक्तों का बलिदान हुआ था।

गौ माता कि रक्षा में प्राण न्यौछावर करने वाले उन महान शहीदों को नमन। सबसे महत्वपूर्ण बात यह हैं कि समस्त हिन्दू वादी संगठनों, समस्त हिन्दू धर्म गुरुओं ने एक मत से संगठित होकर गौ माता कि बूचड़ खानों में हत्या पर प्रतिबन्ध लगाने कि माँग कि थी। सबसे बड़ी विडंबना यह हैं कि अपने आपको हिन्दू बहुल देश कहलाने वाले भारत देश में गौ माता को हिंदुओं कि आँखों के सामने मारा जाता हैं और जो हिन्दू इसका प्रतिरोध करते हैं उन्हें सांप्रदायिक, कटरवादी, हिन्दू आतंकवादी, अल्पसंख्यक विरोधी और न जाने क्या क्या कहा जाता हैं। जो लोग यह कहते हैं कि गौ हत्या पर प्रतिबन्ध से हिन्दू मुस्लिम सम्बन्धों पर अंतर पड़ता हैं उनके लिए हम एक ही बात कहेगे कि इतिहास हमें बहुत कुछ सिखाता हैं। गौ हत्या पर रोक से हिन्दू मुस्लिम एकता स्थापित होती हैं नाकि वैमनस्य बढ़ता हैं। अकबर ने अपने राज्य कि नीवों को खड़े करने के लिए न केवल ईद के दिन गौ कि कुरबानी से मना किया था अपितु अपने राज्य में गौ हत्या पर प्रतिबन्ध लगाया था। यह प्रतिबन्ध शाहजहाँ के काल तक लागु रहा था। धर्मान्धि औरंगजेब ने विक्षिप्त सोच के चलते इस प्रतिबन्ध को हटा दिया इससे हिन्दू जनमानस द्वारा उसे मिलने वाला सहयोग समाप्त हो गया जिसके स्वरुप उसकी राज्य कि नींव दक्कन में वीर शिवाजी, राजपूताने में दुर्गा दास राठोड, बुंदेलखंड में छत्रसाल, पंजाब में सिख गुरुओं ने हिला दी और उसके मृत्यु के पश्चात दुनिया का सबसे शक्तिशाली साम्राज्य ताश के पत्तो के समान ढह गया। महाराज रणजीत सिंह के कार्यकाल में भी गौ हत्या पर रोक थी। 1847 में जब बहादुर शाह जफर कि अस्थायी सरकार बनी तो उन्होंने हिन्दू मुस्लिम एकता के गठजोड़ को मजबूती देने के लिए गौ हत्या पर पाबन्दी लगा दी थी । दरअसल पराधीन भारत में गौ हत्या को बढ़ावा देना अंग्रेजों का कार्य था। उन्हें मालूम था कि अगर हिंदुओं और मुसलमानों को आपस में जब तक लड़ाया जाता रहेगा तब तक उनका राज कायम रहेगा। इसलिए उन्होंने गौ हत्या को बढ़ावा दिया। वीर कूकाओं का आंदोलन उसी अत्याचार के विरोध था जिसे अत्यंत विभित्स रूप में दबाया गया था। अंग्रेजों ने कसाइयों को उनकी करनी का दंड देने वाले कूका वीरो को तोप के मुख से बांध कर उड़ा दिया था। अंग्रेजों के ही राज में स्वामी दयानंद ने सर्वप्रथम गौ हत्या रोकने के लिए आंदोलन आरम्भ किया था। 1881 में स्वामी जी ने गौकरूणानिधि के नाम से पुस्तक प्रकाशित कि थी जिसमें उन्होंने गौ माता से होने वाले लाभ के विषय में बताया था एवं गौ और ऋषि कि रक्षा के एक सभा बनाने का विचार प्रस्तुत किया था। अपनी पहल को प्रभावशाली रूप से अंग्रेजों के समक्ष रखने के लिए उन्होंने भारतवासियों के एक करोड़ हस्ताक्षर करवाकर इंग्लैंड कि महारानी विक्टोरिया को भेजने का अभियान आरम्भ किया था. उन्होंने 3.5 लाख हस्ताक्षर एकत्र भी कर लिये थे परन्तु उनकी असमय मृत्यु के कारण यह अभियान रूक गया। इससे भी बढ़कर उन्होंने अंग्रेजों द्वारा पोषित कि जा रही भ्रान्ति का भी यथोचित उत्तर दिया जो वेदों में गौ माँस खाने का, यज्ञ में पशु बली देने के विधान का प्रसार कर रही थी। स्वामी दयानंद ने राष्ट्रपरक वेद भाष्य कर वेदों के मन्त्रों का सत्य अर्थ साधारण जनता के समक्ष प्रस्तुत किया जिससे गौ हत्या का समर्थन करने वाले सभी आलोचकों का मुँह बंद कर दिया। इसके अतिरिक्त स्वामी दयानंद द्वारा अहिरवाल नरेश राव युधिष्ठिर को प्रेरणा देकर भारत कि पहली गौशाला कि स्थापना 1878 में हुई थी जिससे गौ माता का संरक्षण हो सके। परिणाम स्वरुप भारत भर में अनेक गौ शाला कि स्थापना हुई जिससे गौ माता का रक्षण हुआ। 1966 में भी सरकार के समक्ष सायण या महीधर का नहीं अपितु स्वामी दयानंद द्वारा किये गये वेद भाष्य को गौ हत्या पर रोक लगाने के लिए प्रमाण रूप से प्रस्तुत किया गया था।

अंग्रेजी राज में अनेक दंगों का मूल कारण गौ हत्या था। अंग्रेज सरकार चाहती तो इन दंगों को रोक सकती थी। मुस्लिम समाज विशेष रूप से ईद के दिन कुरबानी करने के लिए गौ का जुलूस हिन्दू मोहल्लो से निकालता था जिससे शान्ति भंग होती अंत में दंगे हो जाते थे। हिन्दू समाज के अनेक वीरों ने गौ हत्या कि रक्षा के लिए अपने प्राणों का बलिदान देकर स्वधर्म निभाया। 1966 के पश्चात भारत देश में हिन्दू मान्यताओं को प्राथमिकता देने के नाम पर सेकुलरता के नाम पर मुसलमानों को रिझाने का कार्य यथावत चालू रखा गया जिसके स्वरुप गौ माता कि हत्या पर प्रतिबन्ध अल्पसंख्यक मुसलमानों कि धार्मिक स्वतंत्रता पर कुठाराघात था। ध्यान दीजिये हिन्दू मुस्लिम एकता के लिए गौरक्षा आवश्यक हैं। इतिहास इस बात का प्रमाण हैं। सभी ने अल्पसंख्यकों का ध्यान रखने में होड़ लगाई किसी ने बहुसंख्यकों के धार्मिक अधिकारों कि चिंता नहीं करी और जब जब गौ हत्या पर प्रतिबन्ध लगाने कि माँग कि गई उसे निर्दयता से कुचल दिया गया। यह कमी किसकी हैं। यह कमी हिंदुओं कि ही हैं क्यूंकि उनमें एकता का अभाव हैं। आइये आज गौ रक्षा के लिए अपने प्राण न्यौछावर करने वाले महान शहीदों से प्रेरणा लेकर एक होने का संकल्प ले। तभी आर्य हिन्दू जाति का उद्धार हो सकेगा।

देख तेरे देश में बापू हो रहा गौ का कत्लेआम
उसे देख क्यूँ नहीं निकलता तेरे मुख से 'हे राम'
अपनी माता का कैसे तू देख पाता हैं प्राण घात
गौहत्या करने वाला हैं हर कोई हैं जाति घात
गौ हत्या पर इस देश के दो टुकड़े जब हैं हो चुके
फिर गौ पर तलवार चलाने वाले हाथ क्यूँ नहीं रुके
आज जोर से पूछ रही हैं ये भारत कि गौ प्रेमी जनता
क्यूँ देश के हर घर में गौपाष्टमी का दिन नहीं बनता
हर बात के लिए अगर देखा जायेगा शरीयत कि ओर
तब तो हम भी बोलेगे कि लौट चलो अपने वेदों कि ओर
आपको जानना होगा कि वेदों में गोहत्या कि क्या हैं सजा
गोघातक को गोली से उड़ा देना हैं उस मालिक कि रजा
देश कि शांति न हो भंग क्यूंकि हम हैं शांति के पुजारी
इसलिए हैं नेताओं सुन लो यह छोटी सी गुजारिश हमारी
गौ का मानता हैं हर हिन्दू माता के समान इस देश में
विवेक कहे कि हिंदुओं को मिले उनका हक हर वेश में

केन्द्रीय आर्य युवक परिषद् के 35 वें वार्षिकोत्सव के उपलक्ष्य में
युवा विद्वान आचार्य अखिलेश्वर जी महाराज के ब्रह्मत्व में आर्य नेता डॉ. अशोक कुमार चौहान की अध्यक्षता में

251 कुण्डीय विराट् यज्ञ

आशीर्वाद : स्वामी सुमेधानन्द जी, स्वामी दिव्यानन्द जी, स्वामी आर्यवेश जी, स्वामी धर्ममुनि जी

अखिल भारतीय आर्य महासम्मेलन

दिनांक : 24, 25, 26 जनवरी 2014 (शुक्र, शनि व रविवार)

स्थान : रामलीला मैदान, पी.यू.ब्लाक, पीतम पुरा, दिल्ली-34 (निकट कोहाट एन्कलेव मैट्रो स्टेशन)

विराट् शोभा यात्रा, शुक्रवार 24 जनवरी, 2014, प्रातः 10.30 बजे

शुभारम्भ : रामलीला मैदान, पी.यू.ब्लाक, पीतम पुरा, दिल्ली से प्रारंभ होगी

मुख्य आकर्षण

आर्य महिला सम्मेलन ● राष्ट्रीय वेद सम्मेलन ● शिक्षा-संस्कृति निर्माण सम्मेलन
संगीत संध्या ● व्यायाम प्रदर्शन ● राष्ट्रीय आर्य महासम्मेलन
प्रातः से रात्रि निरन्तर तीनों दिन ऋषि लंगर की सुन्दर व्यवस्था

1.बाहर से आने वाले आर्य बन्धु व आर्य युवक अपने पधारने की व संख्या के बारे में 31 दिसम्बर2013 तक सूचित करने की कृपा करें जिससे भोजन व आवास आदि का उचित प्रबन्ध किया जा सके।
2.कृपया यजमान बनने के इच्छुक आर्य बन्धु , आर्य समाजें अपना यज्ञकुण्ड 31 दिसम्बर 2013 तक फोन न०. 9891142673, 9868664800, 9871581398, 9999995017 पर आरक्षित करवा लें।

हज़ारों की संख्या में पहुँचकर आर्यसमाज की विराट् संगठन शक्ति का परिचय दें

केन्द्रीय आर्य युवक परिषद् (पंजीकृत), नई दिल्ली

कार्यालय : आर्य समाज, कबीर बस्ती, पुरानी सब्जी मण्डी, दिल्ली-110007 दूरभाष : 9810117464, 9013137070, 9868064422, 9958889970

सचित्र झलकियां : एक शाम ऋषि दयानन्द के नाम सम्पन्न

समारोह का उद्घाटन करते श्री आनन्द चौहान, साथ में समारोह अध्यक्ष श्री प्रदीप तायल, डा.अनिल आर्य, सुरेश अग्रवाल। द्वितीय चित्र में मोमबती जलाते पार्षद श्री चन्दीराम चावला, विधायक श्री रविन्द्र बसंल, श्री आनन्द चौहान, श्रीमती ममता नागपाल व श्री सुरेश अग्रवाल।

संगीत संध्या का भव्य मंच-श्री नरेन्द्र आर्य 'सुमन' व सुदेश आर्या की प्रस्तुति ने समां बांध दिया।

''आर्य महिला रत्न पुरस्कार'' से सम्मानित बायें से- 1. श्रीमती अल्का अग्रवाल (आर्य समाज, रोहिणी, सैक्टर-4-5), 2. श्रीमती उषा खतूरा (अमर कालोनी), 3. श्रीमती उर्मिला मनचन्दा (समयपुर) साथ में श्री आनन्द चौहान, श्रीमती मृदुला चौहान, श्रीमती प्रवीन आर्या, श्रीमती स्वर्ण गम्भीर, श्री जितेन्द्र डावर, श्री महेन्द्र मनचन्दा आदि।

बायें से सम्मानित 1. श्रीमती कविता रानी (केशवपुरम), 2. श्रीमती विजय चौपड़ा (ईस्ट आफ कैलाश), 3. श्रीमती गोकुलदीप मेहता (प्रधान,स्त्री आर्य समाज, सुशान्त लोक, गुड़गांव) आदि।

दिल्ली हाट पीतमपुरा में महर्षि दयानन्द बलिदान दिवस पर ''आर्य महिला रत्न सम्मान'' से पुरस्कृत आर्य महिलायें एक मंच पर।

आर्य समाज, देहरादून का उत्सव सम्पन्न

आर्य समाज,लक्ष्मण चौक,देहरादून के उत्सव पर मुम्बई से पधारे वैदिक विद्वान डा. सोमदेव शास्त्री ने कुरीतियों व रूढ़ियों पर प्रहार करते हुए आर्यो को सजक होने का आह्वान किया ।श्री कृष्णकांत वेदशास्त्री, डा.अन्नपूर्णा, श्री वेदप्रकाश आर्य,पं.श्यामवीर राघव,श्री मनमोहन कुमार आर्य के उद्बोधन हुए । संचालन श्री अजय वीर ने किया।

व्यास आश्रम हरिद्वार का उत्सव सम्पन्न

हरिद्वार के सुप्रसिद्धव्यास आश्रम का शरद उत्सव 14 नवम्बर से 17 नवम्बर 2013 तक डा.जयदेव वेदालंकार, प्रो.महावीर जी, आचार्य अखिलेश्वर जी, प्रो. सुरेन्द्र कुमार जी, डा.महेश विद्यालंकार, डा.प्रतिभा पुरन्धि के सान्निध्य व माता विमला गुप्ता व शान्ति गुप्ता के संयोजन में सफलता पूर्वक सम्पन्न हुआ।

आर्य समाज, जवाहर नगर, पलवल का उत्सव व श्री जवाहर भाटिया का अभिनन्दन

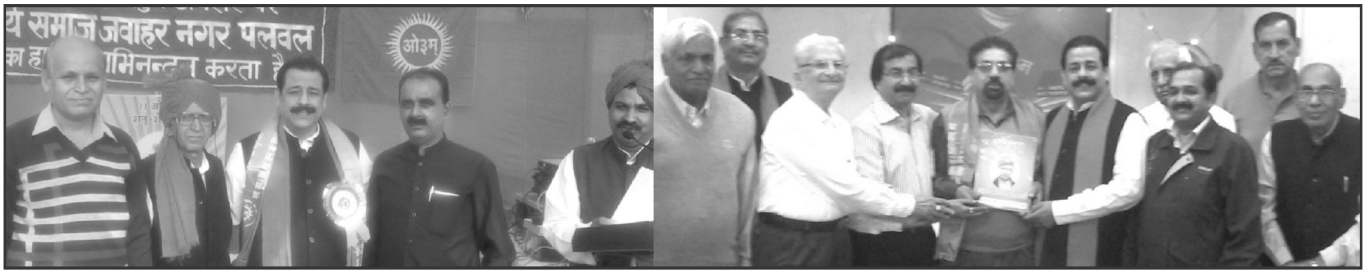

रविवार, 10 नवम्बर 2013, आर्य समाज, जवाहर नगर, पलवल का वार्षिकोत्सव सौल्लास सम्पन्न हुआ। चित्र में डा. अनिल आर्य का स्वागत करते प्रधान श्री जयप्रकाश आर्य व मंत्री श्री सतीश आर्य। संचालन करते श्री देशराज शुक्ल। द्वितीय चित्र में 251 कुण्डीय यज्ञ व आर्य महासम्मेलन की तैयारी हेतु आयोजित पूर्वी दिल्ली की बैठक आर्य समाज, दिलशाद गार्डन में प्रधान श्री जवाहर भाटिया का स्वागत करते डा. अनिल आर्य, श्री सुरेश मुखीजा, श्री अमीरचन्द रखेजा, श्री रविन्द्र मेहता, श्री यशोवीर आर्य, श्री संजय आर्य, श्री महेन्द्र भाई, श्री बलराज गोयल, श्री सुरेन्द्र पाहवा आदि।

आर्य महिला रत्न पुरस्कार से सम्मानित बांये से 1. श्रीमती शशि आर्या (विशाखा एनक्लेव), 2.श्रीमती सरोजनी दता (रोहिणी,सैक्टर-7), 3. श्रीमती रेखा गुप्ता (पार्षद) का स्वागत करते डा.अनिल आर्य, श्री रणसिंह राणा, पं.धूमसिंह शास्त्री, श्री सत्यप्रकाश आर्य, श्रीमती मुदुला चौहान, श्रीमती प्रवीन आर्या व श्रीमती उर्मिला आर्या।

''आर्य महिला रत्न पुरस्कार'' से सम्मानित बायें से- 1. श्रीमती अनिता कुमार (आर्य समाज, पटेल नगर), 2. श्रीमती रेणु अरोड़ा (रोहतास नगर), 3. श्रीमती कृष्णा आर्या (दिलशाद गार्डन) साथ में श्री आनन्द चौहान, श्रीमती मृदुला चौहान, अमिता सपरा, प्रवीन आर्या, जवाहर भाटिया, सरोज भाटिया आदि।

कोटा आर्य समाज का उत्सव व श्री विभोर त्यागी-प्राप्ती की सगाई सम्पन्न

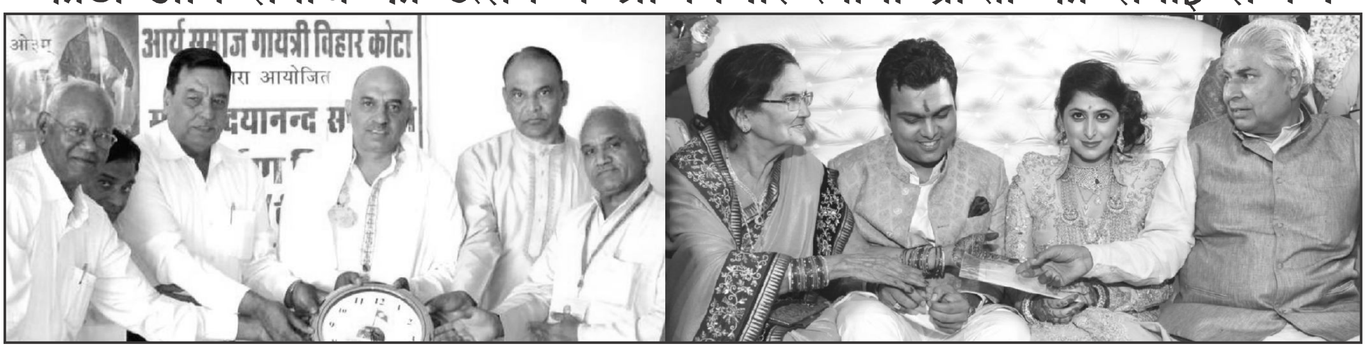

आर्य समाज, विज्ञान नगर, कोटा, राजस्थान का उत्सव सम्पन्न हुआ। इस अवसर पर श्री अर्जुनदेव चड्डा, आ.अग्निमित्र शास्त्री, सुदेश आहूजा, रामप्रसाद याज्ञिक, अरविन्द पाण्डेय, हरिदत शर्मा आदि उपस्थित थे। द्वितीय चित्र में आर्य नेता श्री मायाप्रकाश त्यागी के पौत्र श्री विभोर त्यागी (सुपुत्र श्री प्रवीन त्यागी) व प्राप्ती की सगाई का सुन्दर द्रश्य, साथ में दादी श्रीमती उर्मिला आर्या। नव दम्पति का ढेर सारी बधाईयां।

गुरूकुल गौतम नगर चलो

स्वामी प्रणवानन्द जी के सान्निध्य में श्रीमद् दयानन्द वेदार्ष महाविद्यालय, गुरूकुल गौतम नगर, नई दिल्ली का 80 वां वार्षिक समारोह सोमवार, 25 नवम्बर से रविवार, 22 दिसम्बर 2013 तक आयोजित किया जा रहा है। सपरिवार दर्शन देवें।

गांधी धाम में वैदिक सत्संग

आर्य समाज, गांधीधाम, कच्छ, गुजरात में दिव्य वैदिक सत्संग समारोह का आयोजन दिनांक 13 दिसम्बर से 15 दिसम्बर 2013 तक किया जा रहा है। - वाचोनिधि आर्य, मंत्री

वैदिक विद्वान डा.सुन्दरलाल कथूरिया सम्मानित

सुप्रसिद्ध साहित्कार, लेखक डा.सुन्दरलाल कथूरिया जी को ''श्री मनोहर कोठारी'' सम्मान से श्रीनाथ मन्दिर, राजस्थान के श्री नरहरि ठाकर द्वारा सम्मानित किया गया। हार्दिक बधाई।

शोक समाचारः विनम्र श्रद्धांजलि

1. सार्वदेशिक आर्य प्रतिनिधि सभा के पूर्व मंत्री डा. सच्चिदानन्द शास्त्री जी का गत दिनों निधन हो गया।
2. डा.प्रकाशचन्द सूद (आर्य समाज, सन्त नगर) का गत दिनों निधन हो गया।
3. श्री हरिओमसिंह आर्य (आर्य समाज, खजूरी खास) का गत दिनों निधन गया।
4. श्रीमती कृष्णा मलिक (आर्य समाज,मुलतान नगर) का गत दिनों निधन हो गया।

युवा उद्घोष की ओर से विनम्र श्रद्धांजलि

सम्पादकः **अनिल कुमार आर्य** द्वारा केन्द्रीय आर्य युवक परिषद् के लिए **मंयक प्रिटर्स**,2199/63, नाईवाला, करोलबाग, दिल्ली-5 दूरभाष : 41548503 मो. : 9810580474 से मुद्रित व परिषद् कार्यालय आर्य समाज टी-176-177, कबीर बस्ती, दिल्ली-7 से प्रकाशित, **प्रबन्धक** : दिनेश आर्य, मोबाइल : 9911587765, देवेन्द्र भगत, मोबाइल : 09958889970